Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 500 11512 Date: 13/05/2020 Validity : 1 Month Only

नाम:	Aanchal	जन्म तिथि:	11/06/1999	जन्म समय:	15:45 hrs.
जन्म स्थान:	Bahraich (UP)	मांगलिक योग:	NO (नहीं)	इष्ट देव:	Shani Dev
लग्न:	Tula Lagna	राशि:	Singh (सिंह)	नक्षत्र:	मघा - 2

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Shukra	100 %	Mangal	25%
2.	Budh	20 %	Guru	25%
3.	Chandra	25 %	Surya	25%
4.	Ketu (के)	100 %	Shani (शनि)	100 %
5.			Rahu (रा)	100 %
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, पन्ना तथा ओपल धारण करने से बुध की दशा तथा शुक्र की दशा में काफी अच्छा Result मिलेगा। (02)
(सिर्फ चाँदी में मोती धारण करें After marriage)

3. कुण्डली दोष: गुरु चाण्डाल दोष, सूर्यग्रहण योग : सूर्य, गुरु, शनि के दान करने से दोष समाप्त होंगे।

4. शुभ दिन: Wednesday, Friday, Monday.

5. शुभ रंग: हरा, सफेद. अशुभ: (काला, नीला, पीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
(02) 1. पन्ना	7+	left	little	चाँदी में बुधवार को धारण करें।
(02) 2. ओपल	9+	left	middle	चाँदी में शुक्रवार को धारण करें। 8:15am
(01) 3. मोती	10+	left	little	चाँदी में शुक्लपक्ष में सोमवार को शादी के बाद धारण करें। (सिर्फ मोती only.)

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

मूंगा, पुखराज, माणिक, नीलम, गोमेद आदि रत्न वर्जित है।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) गुरु: गुरु का दान व पाठ भजन व केले के पेड़ की पूजा करने से दाम्पत्य सुख Stable होगा। एवं रोगों को भी कम किया जाएगा।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली में रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग, ह्रदय रोग, आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया, फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : मंगल, गुरु, शनि, राहु का दान व पाठपूजन करने से शरीर से रोग कम होंगे।

Comments:

☺ After marriage मंगल का दान ना करें! सिर्फ पाठ पूजन एवम् हनुमान चालीसा पढ़ें!

☺ शनि देव नीच राशि मे होने के कारण, पेट से सम्बन्धित समस्या ज्यादा रहेंगी, पढ़ाई लिखाई में समस्या होगी, जिद्दी, गुस्सैल, Nature रहेगा! Married life मे परेशानी का कारण बनेंगे। Husband के साथ दूरियाँ भी बना देंगे। इसलिए शनि देव को शान्त करके रखना पूरी जिन्दगी भर के लिए तभी दामपत्य सुख possible है। First baby issue होने मे समस्या होगी due to (Shani dev).

↳ : शनि देव का दान हर शनिवार को तथा अमावस्या के दिन अवश्य करें। समस्त समस्याऐं दूर हो जाएंगी!

☺ शनि, गुरु, राहु का दान व पाठपूजन regular life मे Adopt करें तथा सूर्य को पानी जल देना है (रोजाना).

↳ शनि, राहु के दान व पूजन सूर्पास्त के बाद हर शनिवार व अमावस्या को होगा!

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शुक्र की महादशा : 21/10/2003 to 21/10/2023 – अच्छी दशा (70%)

शुक्र/शनि :- 21/08/2016 to 21/10/2019 — खराब समय (100%)
(शनि के कारण समस्या)

शुक्र/बुध/केतु : 16/03/20 to 15/05/20 – अच्छी दशा (100%)
(पिता व भाग्य के लिए अच्छा समय)

शुक्र/बुध/शुक्र :- 16/05/20 to 04/11/20 : अच्छी दशा (100%)

शुक्र/बुध/सूर्य :- 05/11/20 to 26/12/20 : खराब समय (25%)
(सूर्य के दान व उपाय अवश्य करें!) समय सही रहेगा!

शुक्र/बुध/चन्द्र :- 27/12/20 to 21/03/21 – अच्छी दशा (100%)

शुक्र/बुध/मंगल : 22/03/21 to 20/05/21 → खराब (30%)
(मंगल के दान व पाठपूजन करें!)

शुक्र/बुध/राहु : 21/05/21 to 23/10/21 — खराब (100%)
(परिवार में समस्या, धनहानि, health समस्या)
→ [राहु का दान व उपाय करें हर शनिवार को तथा अमावस्या को समस्याएं दूर जाएंगी!]

Note

राहु, शनि, गुरु, सूर्य के दान व उपाय regular life में Adopt करने से समस्त समस्याएं control होंगी!

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नम:)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नम:)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नम: अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नम:)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नम:)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011512 Date: 13/05/2020

Aanchal

18 Jun 1999 03:45 PM

Bahraich

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Aanchal

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011512 Date: 13/05/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **18/06/1999**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **15:45:00 ांटे**
इष्ट	: 26:31:50 घटी
स्थान	: **Bahraich**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:35:00 उत्तर
रेखांश	: 81:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:03:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:41:24 घंटे
वेलान्तर	: -00:00:58 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:26:16 घंटे
सूर्योदय	: 05:08:16 घंटे
सूर्यास्त	: 19:00:56 घंटे
दिनमान	: 13:52:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 02:54:35 मिथुन
लग्न के अंश	: 21:20:33 तुला

चैत्रादि संवत / शक	: 2056 / 1921
मास	: ज्येष्ठ
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 5
तिथि समाप्ति काल	: 11:34:57
जन्म तिथि	: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: आश्लेषा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 06:41:57 घंटे
जन्म नक्षत्र	: मघा
सूर्योदय कालीन योग	: हर्षण
योग समाप्ति काल	: 13:33:00 घंटे
जन्म योग	: वज्र
सूर्योदय कालीन करण	: बालव
करण समाप्ति काल	: 11:34:57 घंटे
जन्म करण	: कौलव
भयात	: 22:37:37
भभोग	: 60:06:30
भोग्य दशा काल	: केतु 4 वर्ष 4 मा 1 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: तुला – शुक्र
राशि–स्वामी	: **सिंह – सूर्य**
नक्षत्र–चरण	: **म II – 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: वज्र
करण	: कौलव
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मी–मीनाक्षी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

IIत चक्र	
मास	: ज्येष्ठ
तिथि	: 3-8-13
दिन	: शनिवार
नक्षत्र	: मूल
योग	: धृति
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: मार्जार
लग्न	: मीन
सूर्य	: धनु
चन्द्र	: वृश्चिक
मंगल	: मकर
बुध	: तुला
गुरु	: कुम्भ
शुक्र	: मीन
शनि	: वृश्चिक
राहु	: मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:20:33	309:53:57	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	———
सूर्य			मिथु	02:54:35	00:57:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	05:04:16	13:21:44	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:51:40	00:10:23	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			मिथु	25:39:37	01:27:53	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			मेष	04:28:32	00:10:39	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	18:04:56	00:54:04	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि			मेष	19:08:27	00:06:15	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	20:06:25	00:01:09	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:06:25	00:01:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:38:59	00:01:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	———
नेप	व		मक	10:04:04	00:01:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	———
प्लूटो	व		वृश्चि	14:47:39	00:01:32	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	———
दशम भाव			कर्क	25:17:37	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:46

लग्न–चलित

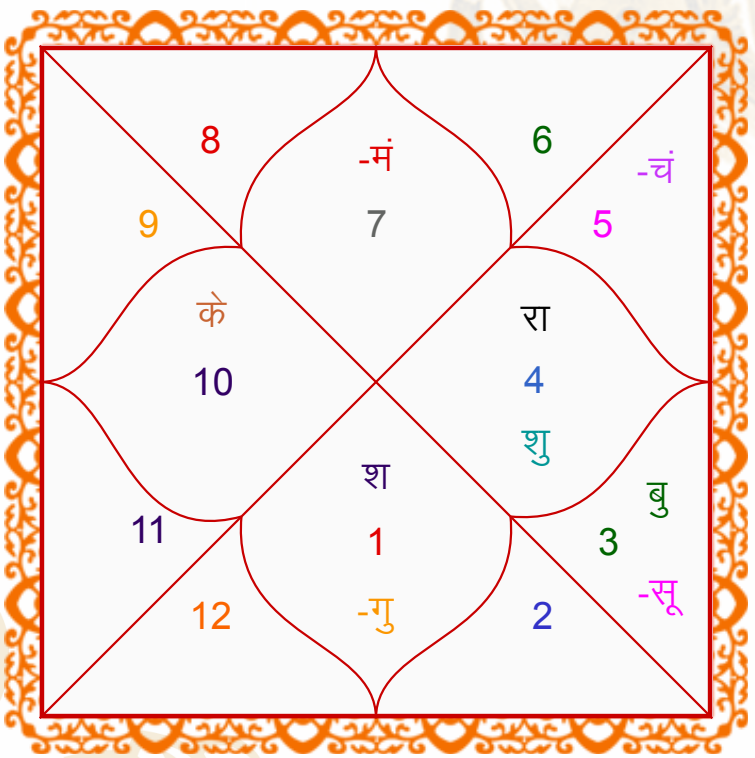

चन्द्र कुंडली

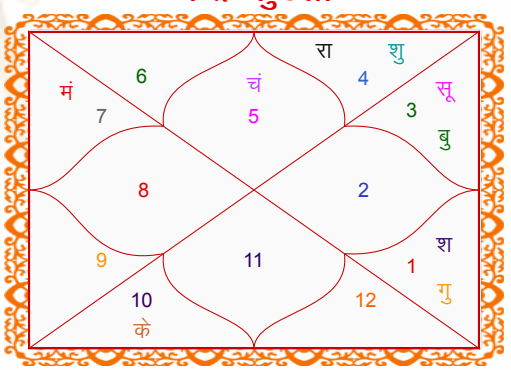

नवमांश कुंडली

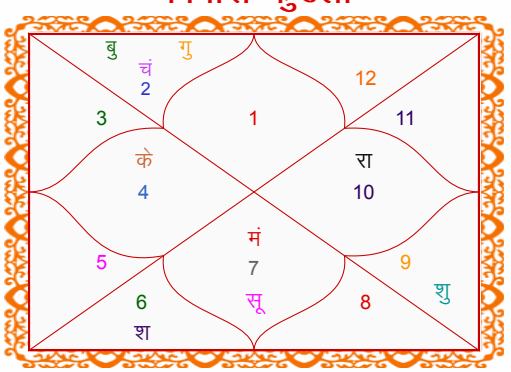

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	42	29	21	34	30	23	0
सप्तवर्गज बल	79	124	113	105	68	113	66
ओजयुग्मक बल	30	15	30	15	15	15	15
केन्द्र बल	15	30	60	15	60	60	60
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	15	0	15
कुल स्थान बल	181	198	239	169	187	210	156
कुल दिग्बल	43	3	38	21	6	2	59
नतोन्नत बल	42	18	18	60	42	42	18
पक्ष बल	39	79	39	39	21	21	39
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	30	0	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	0	0	0	0	0	0	60
अयन बल	120	15	17	58	44	52	10
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	246	111	75	158	167	160	187
कुल चेष्टाबल	0	0	47	27	39	40	15
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-6	0	-7	-12	-19	-16	-16
कुल षट्बल	524	364	409	388	413	439	410
रूप षट्बल	8.7	6.1	6.8	6.5	6.9	7.3	6.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.7	1.0	1.4	0.9	1.1	1.3	1.4
संबंधित पद	1	6	3	7	5	4	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	49.96	24.64	31.69	30.29	34.16	30.24	2.06
कष्ट फल	4.37	34.72	22.29	29.39	25.10	27.35	51.91

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	439	409	413	410	410	413	409	439	388	364	524	388
भावदिग्बल	60	10	10	60	20	40	30	40	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	69	13	79	19	22	3	-13	-5	14	20	40	71
कुल भाव बल	568	432	502	489	452	456	426	474	422	385	614	509
रूप भाव बल	9.5	7.2	8.4	8.2	7.5	7.6	7.1	7.9	7.0	6.4	10.2	8.5
संबंधित पद	2	9	4	5	8	7	10	6	11	12	1	3

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

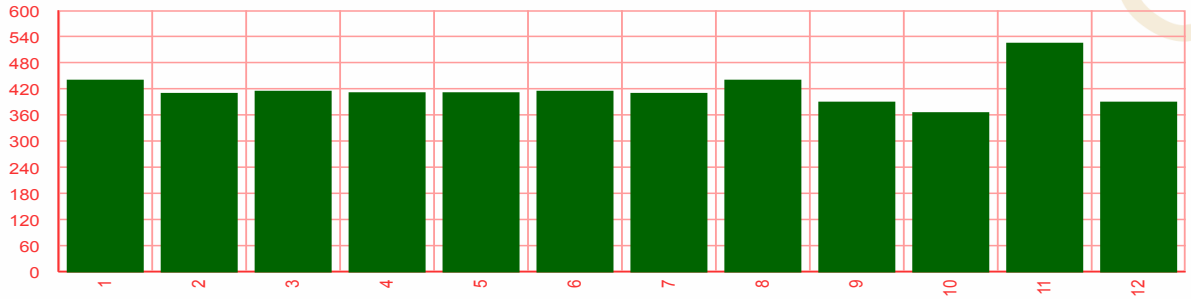

भावदिग्बल

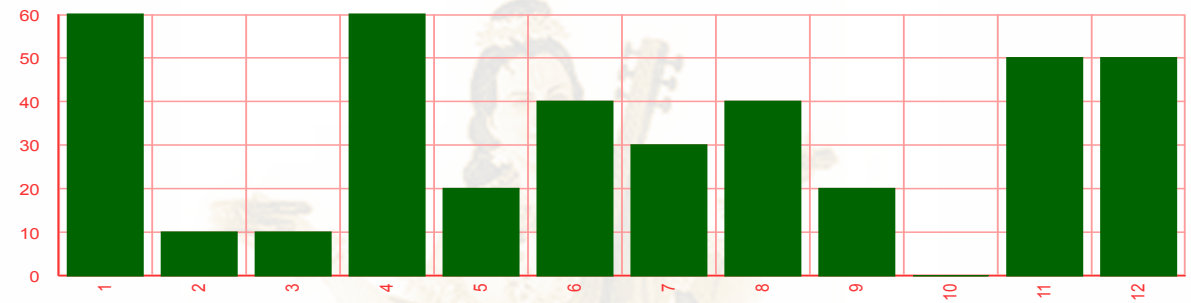

भावदृष्टि बल

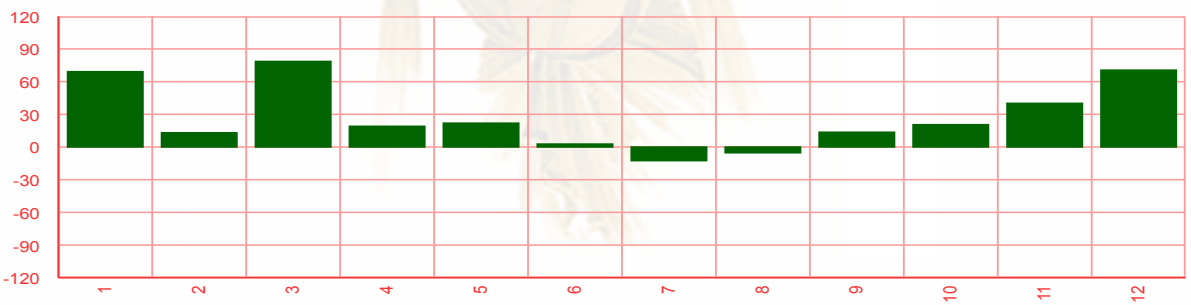

भाव बल

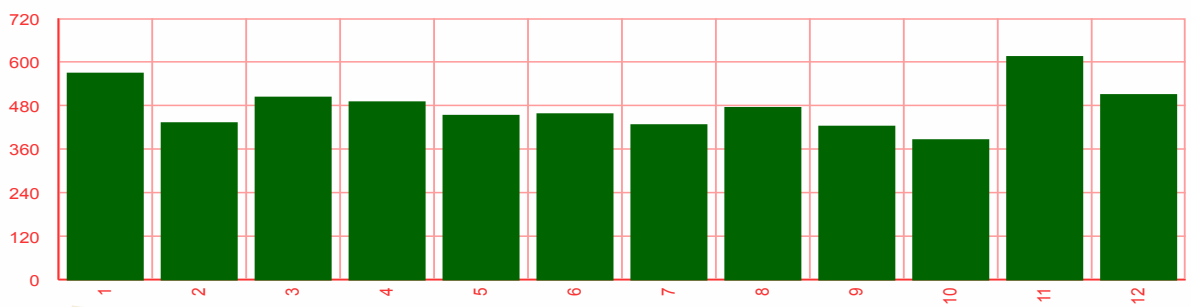

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष	
18/06/1999	
20/10/2003	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	18/06/1999
मंगल	19/09/1999
राहु	07/10/2000
गुरु	12/09/2001
शनि	22/10/2002
बुध	20/10/2003

शुक्र 20 वर्ष	
20/10/2003	
20/10/2023	
शुक्र	18/02/2007
सूर्य	18/02/2008
चंद्र	19/10/2009
मंगल	19/12/2010
राहु	19/12/2013
गुरु	19/08/2016
शनि	20/10/2019
बुध	19/08/2022
केतु	20/10/2023

सूर्य 6 वर्ष	
20/10/2023	
19/10/2029	
सूर्य	06/02/2024
चंद्र	07/08/2024
मंगल	13/12/2024
राहु	06/11/2025
गुरु	25/08/2026
शनि	07/08/2027
बुध	13/06/2028
केतु	19/10/2028
शुक्र	19/10/2029

चंद्र 10 वर्ष	
19/10/2029	
20/10/2039	
चंद्र	19/08/2030
मंगल	20/03/2031
राहु	18/09/2032
गुरु	18/01/2034
शनि	20/08/2035
बुध	18/01/2037
केतु	19/08/2037
शुक्र	20/04/2039
सूर्य	20/10/2039

मंगल 7 वर्ष	
20/10/2039	
19/10/2046	
मंगल	17/03/2040
राहु	04/04/2041
गुरु	11/03/2042
शनि	20/04/2043
बुध	16/04/2044
केतु	12/09/2044
शुक्र	12/11/2045
सूर्य	20/03/2046
चंद्र	19/10/2046

राहु 18 वर्ष	
19/10/2046	
19/10/2064	
राहु	01/07/2049
गुरु	25/11/2051
शनि	01/10/2054
बुध	19/04/2057
केतु	08/05/2058
शुक्र	08/05/2061
सूर्य	01/04/2062
चंद्र	01/10/2063
मंगल	19/10/2064

गुरु 16 वर्ष	
19/10/2064	
19/10/2080	
गुरु	07/12/2066
शनि	19/06/2069
बुध	25/09/2071
केतु	31/08/2072
शुक्र	02/05/2075
सूर्य	18/02/2076
चंद्र	19/06/2077
मंगल	26/05/2078
राहु	19/10/2080

शनि 19 वर्ष	
19/10/2080	
20/10/2099	
शनि	23/10/2083
बुध	02/07/2086
केतु	10/08/2087
शुक्र	10/10/2090
सूर्य	22/09/2091
चंद्र	22/04/2093
मंगल	01/06/2094
राहु	07/04/2097
गुरु	20/10/2099

बुध 17 वर्ष	
20/10/2099	
20/10/2116	
बुध	18/03/2102
केतु	15/03/2103
शुक्र	13/01/2106
सूर्य	20/11/2106
चंद्र	20/04/2108
मंगल	17/04/2109
राहु	05/11/2111
गुरु	10/02/2114
शनि	20/10/2116

केतु 7 वर्ष	
20/10/2116	
00/00/0000	
केतु	18/03/2117
शुक्र	18/05/2118
सूर्य	23/09/2118
चंद्र	24/04/2119
मंगल	19/06/2119
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - बुध	
20/10/2019	
19/08/2022	
बुध	14/03/2020
केतु	13/05/2020
शुक्र	02/11/2020
सूर्य	24/12/2020
चंद्र	20/03/2021
मंगल	19/05/2021
राहु	22/10/2021
गुरु	09/03/2022
शनि	19/08/2022

शुक्र - केतु	
19/08/2022	
20/10/2023	
केतु	13/09/2022
शुक्र	23/11/2022
सूर्य	15/12/2022
चंद्र	19/01/2023
मंगल	13/02/2023
राहु	18/04/2023
गुरु	14/06/2023
शनि	20/08/2023
बुध	20/10/2023

सूर्य - सूर्य	
20/10/2023	
06/02/2024	
सूर्य	25/10/2023
चंद्र	03/11/2023
मंगल	10/11/2023
राहु	26/11/2023
गुरु	11/12/2023
शनि	28/12/2023
बुध	12/01/2024
केतु	19/01/2024
शुक्र	06/02/2024

सूर्य - चंद्र	
06/02/2024	
07/08/2024	
चंद्र	21/02/2024
मंगल	03/03/2024
राहु	30/03/2024
गुरु	24/04/2024
शनि	23/05/2024
बुध	17/06/2024
केतु	28/06/2024
शुक्र	29/07/2024
सूर्य	07/08/2024

सूर्य - मंगल	
07/08/2024	
13/12/2024	
मंगल	14/08/2024
राहु	02/09/2024
गुरु	19/09/2024
शनि	10/10/2024
बुध	28/10/2024
केतु	04/11/2024
शुक्र	25/11/2024
सूर्य	02/12/2024
चंद्र	13/12/2024

सूर्य - राहु	
13/12/2024	
06/11/2025	
राहु	31/01/2025
गुरु	16/03/2025
शनि	07/05/2025
बुध	22/06/2025
केतु	11/07/2025
शुक्र	04/09/2025
सूर्य	21/09/2025
चंद्र	18/10/2025
मंगल	06/11/2025

सूर्य - गुरु	
06/11/2025	
25/08/2026	
गुरु	15/12/2025
शनि	30/01/2026
बुध	13/03/2026
केतु	30/03/2026
शुक्र	18/05/2026
सूर्य	01/06/2026
चंद्र	26/06/2026
मंगल	13/07/2026
राहु	25/08/2026

सूर्य - शनि	
25/08/2026	
07/08/2027	
शनि	19/10/2026
बुध	08/12/2026
केतु	28/12/2026
शुक्र	24/02/2027
सूर्य	13/03/2027
चंद्र	11/04/2027
मंगल	01/05/2027
राहु	22/06/2027
गुरु	07/08/2027

सूर्य - बुध	
07/08/2027	
13/06/2028	
बुध	20/09/2027
केतु	09/10/2027
शुक्र	29/11/2027
सूर्य	15/12/2027
चंद्र	10/01/2028
मंगल	28/01/2028
राहु	14/03/2028
गुरु	25/04/2028
शनि	13/06/2028

सूर्य - केतु	
13/06/2028	
19/10/2028	
केतु	20/06/2028
शुक्र	12/07/2028
सूर्य	18/07/2028
चंद्र	29/07/2028
मंगल	05/08/2028
राहु	24/08/2028
गुरु	10/09/2028
शनि	01/10/2028
बुध	19/10/2028

सूर्य - शुक्र	
19/10/2028	
19/10/2029	
शुक्र	19/12/2028
सूर्य	06/01/2029
चंद्र	05/02/2029
मंगल	27/02/2029
राहु	22/04/2029
गुरु	10/06/2029
शनि	07/08/2029
बुध	28/09/2029
केतु	19/10/2029

चंद्र - चंद्र	
19/10/2029	
19/08/2030	
चंद्र	13/11/2029
मंगल	01/12/2029
राहु	16/01/2030
गुरु	25/02/2030
शनि	15/04/2030
बुध	28/05/2030
केतु	14/06/2030
शुक्र	04/08/2030
सूर्य	19/08/2030

चंद्र - मंगल	
19/08/2030	
20/03/2031	
मंगल	01/09/2030
राहु	03/10/2030
गुरु	31/10/2030
शनि	04/12/2030
बुध	03/01/2031
केतु	16/01/2031
शुक्र	20/02/2031
सूर्य	03/03/2031
चंद्र	20/03/2031

चंद्र - राहु	
20/03/2031	
18/09/2032	
राहु	11/06/2031
गुरु	23/08/2031
शनि	17/11/2031
बुध	03/02/2032
केतु	06/03/2032
शुक्र	05/06/2032
सूर्य	03/07/2032
चंद्र	17/08/2032
मंगल	18/09/2032

चंद्र - गुरु	
18/09/2032	
18/01/2034	
गुरु	22/11/2032
शनि	07/02/2033
बुध	17/04/2033
केतु	16/05/2033
शुक्र	05/08/2033
सूर्य	29/08/2033
चंद्र	09/10/2033
मंगल	06/11/2033
राहु	18/01/2034

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शनि	
18/01/2034	
20/08/2035	
शनि	20/04/2034
बुध	11/07/2034
केतु	14/08/2034
शुक्र	18/11/2034
सूर्य	17/12/2034
चंद्र	03/02/2035
मंगल	09/03/2035
राहु	04/06/2035
गुरु	20/08/2035

चंद्र - बुध	
20/08/2035	
18/01/2037	
बुध	01/11/2035
केतु	01/12/2035
शुक्र	25/02/2036
सूर्य	22/03/2036
चंद्र	04/05/2036
मंगल	04/06/2036
राहु	20/08/2036
गुरु	28/10/2036
शनि	18/01/2037

चंद्र - केतु	
18/01/2037	
19/08/2037	
केतु	30/01/2037
शुक्र	07/03/2037
सूर्य	18/03/2037
चंद्र	04/04/2037
मंगल	17/04/2037
राहु	19/05/2037
गुरु	16/06/2037
शनि	20/07/2037
बुध	19/08/2037

चंद्र - शुक्र	
19/08/2037	
20/04/2039	
शुक्र	29/11/2037
सूर्य	29/12/2037
चंद्र	18/02/2038
मंगल	25/03/2038
राहु	25/06/2038
गुरु	14/09/2038
शनि	19/12/2038
बुध	15/03/2039
केतु	20/04/2039

चंद्र - सूर्य	
20/04/2039	
20/10/2039	
सूर्य	29/04/2039
चंद्र	14/05/2039
मंगल	25/05/2039
राहु	21/06/2039
गुरु	16/07/2039
शनि	14/08/2039
बुध	08/09/2039
केतु	19/09/2039
शुक्र	20/10/2039

मंगल - मंगल	
20/10/2039	
17/03/2040	
मंगल	28/10/2039
राहु	20/11/2039
गुरु	09/12/2039
शनि	02/01/2040
बुध	23/01/2040
केतु	01/02/2040
शुक्र	26/02/2040
सूर्य	04/03/2040
चंद्र	17/03/2040

मंगल - राहु	
17/03/2040	
04/04/2041	
राहु	13/05/2040
गुरु	03/07/2040
शनि	02/09/2040
बुध	26/10/2040
केतु	18/11/2040
शुक्र	21/01/2041
सूर्य	09/02/2041
चंद्र	13/03/2041
मंगल	04/04/2041

मंगल - गुरु	
04/04/2041	
11/03/2042	
गुरु	20/05/2041
शनि	13/07/2041
बुध	30/08/2041
केतु	19/09/2041
शुक्र	15/11/2041
सूर्य	02/12/2041
चंद्र	30/12/2041
मंगल	19/01/2042
राहु	11/03/2042

मंगल - शनि	
11/03/2042	
20/04/2043	
शनि	14/05/2042
बुध	11/07/2042
केतु	03/08/2042
शुक्र	10/10/2042
सूर्य	30/10/2042
चंद्र	03/12/2042
मंगल	26/12/2042
राहु	25/02/2043
गुरु	20/04/2043

मंगल - बुध	
20/04/2043	
16/04/2044	
बुध	10/06/2043
केतु	01/07/2043
शुक्र	31/08/2043
सूर्य	18/09/2043
चंद्र	18/10/2043
मंगल	08/11/2043
राहु	01/01/2044
गुरु	19/02/2044
शनि	16/04/2044

मंगल - केतु	
16/04/2044	
12/09/2044	
केतु	25/04/2044
शुक्र	20/05/2044
सूर्य	27/05/2044
चंद्र	09/06/2044
मंगल	17/06/2044
राहु	10/07/2044
गुरु	29/07/2044
शनि	22/08/2044
बुध	12/09/2044

मंगल - शुक्र	
12/09/2044	
12/11/2045	
शुक्र	22/11/2044
सूर्य	14/12/2044
चंद्र	18/01/2045
मंगल	12/02/2045
राहु	17/04/2045
गुरु	13/06/2045
शनि	19/08/2045
बुध	18/10/2045
केतु	12/11/2045

मंगल - सूर्य	
12/11/2045	
20/03/2046	
सूर्य	19/11/2045
चंद्र	29/11/2045
मंगल	07/12/2045
राहु	26/12/2045
गुरु	12/01/2046
शनि	01/02/2046
बुध	19/02/2046
केतु	27/02/2046
शुक्र	20/03/2046

मंगल - चंद्र	
20/03/2046	
19/10/2046	
चंद्र	07/04/2046
मंगल	19/04/2046
राहु	21/05/2046
गुरु	19/06/2046
शनि	22/07/2046
बुध	22/08/2046
केतु	03/09/2046
शुक्र	09/10/2046
सूर्य	19/10/2046

राहु - राहु	
19/10/2046	
01/07/2049	
राहु	16/03/2047
गुरु	26/07/2047
शनि	29/12/2047
बुध	17/05/2048
केतु	13/07/2048
शुक्र	24/12/2048
सूर्य	12/02/2049
चंद्र	05/05/2049
मंगल	01/07/2049